HOMOEOPATHY UNIVERSITY

(Estd. vide Homoeopathy University Act 2010 (Act No. 6 of 2010) Govt. of Rajasthan)

Ref. : HU/2016/1333

28/9/16

प्रेस विज्ञप्ति

डेंगू एवं चिकिनगुनिया से बचाव में होम्योपैथी अति प्रभावकारी हो सकती है...

जयपुर, 28 सितम्बर, 2016 मौसमी बिमारियों डेंगू एवं चिकिनगुनिया का प्रकोप दिनोदिन बढ़ता ही जा रहा है। आज सभी शहरों के अस्पताल एवं डिस्पेंसरी में डेंगू एवं चिकिनगुनिया से पीढ़ित मरीजों की भीड़ लगी हुई है। होम्योपैथी विश्वविद्यालय के सचिव डॉ. तारकेश्वर जैन ने बताया कि ऐसे कठीन समय में जब इन बिमारीयों का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है तब होम्योपैथी विश्वविद्यालय, सायपुरा सांगानेर द्वारा इन बिमारीयों की रोकथाम और डेंगू एवं चिकिनगुनिया के मरीजों को चिकित्सा सुविधा प्रदान करने हेतु दो नये प्रकोष्ठों की शुरूआत की गयी है जो होम्योपैथी विश्वविद्यालय के सायपुरा–सांगानेर स्थित कैम्पस के होम्योपैथिक अस्पताल एवं स्टेशन रोड़ स्थित अस्पताल डॉ. एम.पी.के. होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, अस्पताल एवं रिसर्च सेन्टर पर है। इन बिमारीयों से बचाव के लिये उपरोक्त दोनों प्रकोष्ठों पर विशेषज्ञों की सेवाऐं उपलब्ध हैं एवं विश्वविद्यालय द्वारा गठित टीमें डेंगू एवं चिकनगुनिया से प्रभावित क्षेत्रों में दौरा कर रहीं है तथा मरीजों को नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा एवं होम्योपैथिक दवाईयां उपलब्ध करा रहीं है।

डॉ. जैन ने बताया कि मिनिस्ट्री ऑफ आयुष के होम्योपैथिक विभाग के अनुसार डेंगू के प्रभाव से रोकथाम के लिये होम्योपैथिक दवाईयां काफी कारगर है जिनमें विशेषकर एक खुराक यूपैटोरियम परफोरेटम–30 पोटेन्सी में 4–4 गोलियां व्यस्क को एवं 2–2 गोलियां बच्चों को तीन दिन तक देने से डेंगू से बचाव होता है एवं डेगूं से बचने के लिये इसी दवाई को प्रत्येक माह रिपीट करना चाहिये। ब्रायोनिया–30 की तीन खुराक दिन में तीन बार तीन दिन तक लेने से चिकनगुनिया से बचाव होता है।

भवदीय

(डॉ. तारकेश्वर जैन) 28/9/16
कुल–सचिव

University Office & Campus: Saipura, Sanganer, Jaipur-302029, Rajasthan (INDIA)
Ph: +91 141 5184408, 5184410 Website: www.homoeopathyuniversity.org
Email: homoeopathyuniversity@gmail.com
(A Unit of Dr. M.P.K. Homoeopathic Medical College, Hospital & Research Centre Society, Jaipur)